

20/10/25

पञ्जाब की सेवा हरि की ल

उभय का रूप - १ - की ल उभय

पत्र के साथीगरी उन उ लार

उपलब्ध की गार उ ले ना

निवेदन किया। अतः

उपलब्ध की उपलब्ध की गार

किया जाकर निर्णय हुआ

के साथी उ लार जा ल

उपलब्ध निवेदन ~~किया~~ किया

गया। पञ्जाब की फौज उ लार

लेकर नगर से उ ले

(वीरू हेवेल)  
सहायक कलेक्टर एवं  
उपलब्ध अधिकारी  
चिन्नीवाड (मन)